इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, रायबरेली

दिनांक : 30.06.2020

आख्या

इन्दिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, रायबरेली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय व पर्यटल मंत्रालय द्वारा 'देखो अपना देश' शीर्षक के तहत राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) द्वारा प्रायोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' (EBSB) कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 30.06.2020 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'पूर्वोत्तर भारत में कला एवं संस्कृति' का आयोजन किया गया। इसकी मुख्य संरक्षिका प्रो0 डॉ0 वंदना शर्मा, निदेशक (उच्च शिक्षा), उच्च शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0, प्रयागराज तथा संरक्षिका महाविद्यालय की प्राचार्या, डॉ0 सुषमा देवी रहीं। वेबिनार का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ पुस्तकालयाध्यक्ष, श्रीमती गौसिया नायाब द्वारा वेबिनार के संक्षिप्त परिचय के साथ हुआ। श्रीमती प्रियंका, प्रभारी रूसा, नोडल अधिकारी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की सम्पूर्ण परिकल्पना और महाविद्यालय में की जा रही गतिविधियों की संक्षिप्त रूप रेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्राचार्या, डॉ0 सुषमा देवी ने सभी का स्वागत करते हुए वेबिनार के उद्देश्यों से सभी को परिचित कराया।

प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ श्रीमती शिखा मौर्या, एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब समन्वयक द्वारा मुख्य वक्ता डॉ0 जमुना बीनी, एसोसिएट प्रोफेसर हिन्दी, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश के संक्षिप्त परिचय से हुआ। इस सत्र में अपने सम्बोधन में मुख्य वक्ता जमुना बीनी ने अरूणाचल के भौगोलिक, सामरिक महत्व, भाषाई संस्कृति, जनजातीय कला और संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किये।

द्वितीय तकनीकी सत्र का प्रारम्भ वेबिनार संयोजक डॉ0 प्रीती तिवारी द्वारा मुख्य वक्ता एवं प्रो0 इन्दू भूषण महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर समाजशास्त्र राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर, रामपुर व्यक्तित्व परिचय के साथ हुआ। मुख्य वक्ता ने अपने सम्बोधन में उड़ीसा के ऐतिहासिक संदर्भों, भाषा की संवैधानिक स्थिति, स्थानीय लोक संस्कृत, व्यंजनों और साहित्य के धार्मिक, आध्यात्मिक, संदर्भों की चर्चा करते हुए जगन्नाथ संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किये।

तृतीय सत्र का शुभारंभ सुश्री शालिनी कनौजिया रेंजर्स प्रभारी द्वारा डॉ0 नीतू सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर गृहविज्ञान, एच0एन0बी0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी, प्रयागराज के परिचय के साथ हुआ। इस सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता डॉ0 नीतू सिंह ने भारतीय व्यंजन संस्कृति में ऐतिहासिक संदर्भों में आज तक आये बदलावों पर अपने विचार रखे और बताया कि कैसे व्यंजन हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का भाग रहे हैं।

चतुर्थ तकनीकी सत्र का प्रारंभ डॉ0 रामदर्शन विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग द्वारा डॉ0 किशोर कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर के स्वागत से हुआ। सत्र में अपने उद्बोधन में मुख्य वक्ता डॉ0 किशोर कुमार ने ऐतिहासिक संदर्भों में भारतीय संस्कृति की व्याख्या करते हुए बताया कि हमारी संस्कृति की विविधता में एकतावादी आर सम्रता से जुड़ी है।

इसके पश्चात डॉ0 ऋचा सिंह विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान ने प्रश्नोत्तर काल का उत्तरदायित्व ग्रहण करते हुए श्रोताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों को मुख्य वक्ताओं तक प्रेषित किया। इस वेबिनार से जुड़े लगभग 1500 प्रतिभागियों वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन और मंच संचालन वेबिनार आयोजक सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। तकनीकी सहयोग डॉ0 विनय कुमार प्रजापति, असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, हरीपुर निहस्था, रायबरेली ने सहजता और सरलता से किया।

इस अवसर पर शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री मान सिंह, श्रीमती सविता सिंह, श्री राम करन आदि जुड़े रहे।

डॉ0 सुषमा देवी
प्राचार्या
इन्दिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय
रायबरेली